28 / 01 / 76 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

सदा सफलता का सितारा बनने का अनुभव

➢➢ मैं रूहानी सितारा

➳ _ ➳ रूहानी बाबा का इनवीटेशन पाकर

→ ख़ुशी-ख़ुशी झिलमिलाती, लहराती

◆ पहुँच जाती हूँ

• रूहानी सितारों की महफ़िल में

➳ _ ➳ सामने बैठे हुए हैं बापदादा

→ मुस्कुराते हुए

➳ _ ➳ और चारों ओर

→ महफ़िल की शोभा बढ़ाते हुए

◆ जगमगाते सितारे

➳ _ ➳ इतनी बड़ी महफ़िल में

→ ढूंढ रही हूँ

◆ अपनी सीट

• किस लाइन में बैठूं?

➢➢ तीन प्रकार के लाइन देख रही हूँ

➳ _ ➳ पहली लाइन है-

→ <u>सफलता के सितारों की</u>

◆ जो हर समय,

◆ हर बात में

◆ बिना मेहनत

• सहज ही

• सफलता का

• अनुभव करते हैं

➳ _ ➳ दूसरी लाइन है-

→ <u>लक्की सितारों की</u>

◆ जो निमित्त-मात्र मेहनत से

◆ फल की प्राप्ति कर

• खुश रहते हैं

◆ बाप के स्नेही बन

• सर्व को बाप के

- स्नेही बनाने वाले

➳ _ ➳ तीसरी लाइन है-

→ <u>उम्मीदवार सितारों की</u>

- ◆ जो हर कदम
- ◆ बाप का व
- ◆ श्रेष्ठ आत्माओं का
  - सहारा लेकर चलने वाले
- ◆ दृढ संकल्प की
- ◆ कमी के कारण
- ◆ जजमेंट नहीं ले पाते
  - 'होगा या नहीं होगा'
  - 'करें या न करें'

➳ _ ➳ मैं आत्मा चेकिंग करती हूँ

→ मैं कौन सा सितारा हूँ?

➢➢ मैं आत्मा सफलता का सितारा हूँ

➳ _ ➳ बाबा के सम्मुख बैठ

→ बाबा को निहार रही हूँ

- ◆ बाबा अपनी दृष्टि से
  - निहाल कर रहे हैं

➳ _ ➳ बाबा अपने वरदानी हाथों से

→ ज्ञान, गुण, शक्तियों की

- ◆ बरसात कर रहे हैं

➳ _ ➳ स्वयं भगवान् मेरे साथ हैं

→ उनके सारे खजाने,

→ संपत्तियों पर

- ◆ मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है

➳ _ ➳ हर बात में और हर समय

→ सफलता भी

- ◆ मेरा जन्म-सिद्ध अधिकार है

➳ _ ➳ मैं सफलतामूर्त आत्मा

→ हर समय, हर श्वास,

→ हर संकल्प, बोल, कर्म

→ हर सम्बन्ध व सम्पर्क में

- ◆ सहज सफलता का

- अनुभव कर रही हूँ

→ बिना मेहनत

◆ सहज प्राप्ति का

- अनुभव कर रही हूँ

➳ _ ➳ जैसा संकल्प, और कर्म

→ वैसा प्रत्यक्ष फल

◆ प्राप्त कर

- हर कदम में पद्मों की
- कमाई कर रही हूँ

➳ _ ➳ निश्चय के संकल्प के साथ

→ हर कर्म के पीछे-पीछे

◆ सफलता को

- परछाई के समान
- अनुभव कर रही हूँ